हिंदी विश्वविद्यालय में मनाया गया विश्व योग दिवस

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 9वें विश्व योग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने कहा कि योग चित्त को एकाग्र करने का साधन है। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से ज्ञानात्मक क्रियाओं को एक साथ संपादित किया जा सकता है। इस वर्ष के योग दिवस का सूत्रवाक्य 'वसुधैव कुटुंबकम के लिए योग' है। हमें इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इसका प्रचार-प्रसार विश्व भर में करना चाहिए। सामंजस्य होगा तो दुनिया स्वस्थ होगी और तभी हम इस लक्ष्य को हासिल करने में सफल होंगे। हमें योग के माध्यम से विश्व चेतना के सामंजस्य की निर्मिति करनी है। प्रो. शुक्ल ने कहा कि योग की महत्ता को दुनिया अपना रही है और योग की भाषा विश्व भर में गुंजायमान हो रही है। हमारे भीतर चैतन्य भाव जागृत होगा तभी वास्तविक आनंद की प्राप्ति होगी। इसीलिए हमें प्रतिदिन योग करना चाहिए।

विश्व योग दिवस का भव्य आयोजन बुधवार, 21 जून 2023 को विश्वविद्यालय के मेजर ध्यानचंद प्रांगण पर प्रात: 6:00 बजे से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चंद्रमौलि चैरीटेबल ट्रस्ट, वाराणसी की अध्यक्ष और प्रख्यात संस्कृत साधिका डॉ. लूसी गेस्ट, लंदन उपस्थित थी। प्रतिकुलपति प्रो. चंद्रकांत रागीट कार्यक्रम के संयोजक थे। इस अवसर पर आयुष मंत्रालय से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार योग प्रशिक्षक प्रा. आदित्य पुंड एवं प्रयोग निस्ताने, अमरावती के निर्देशन में प्राणायाम एवं योगाभ्यास किया गया। इस अवसर पर प्रतिकुलपति प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, अधिष्ठातागण, विभागाध्यक्ष, अध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी तथा विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में 24 जून तक योग प्राणायाम शिविर का भी आयोजन किया गया है जिसमें योग विशेषज्ञ डॉ. लूसी गेस्ट, डॉ. संजय चडा़वार, प्रो. सुशिम दुबे और अमितानन्द थेरो के समिश्र पद्धति से व्याख्यान होंगे। कार्यक्रम में सहभागिता करने का आह्वान विश्वविद्यालय की ओर से किया गया है।